



॥ नाम ॥
॥ १ ॥

॥ ओं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दमक ४ पत्र १ ॥ छिन्ना कवि
४ ॥ १ ॥ विबुधपुष्टीका
प्रालयनवज्रवस्त्रक
द्वंगप्रमुखैव न केव कथा

मृथवक्रधर ४ श्रीमान् इदं न
शीवीया गुफादुक्कलिगंध
४ ॥ प्रालयनकमलानन ४ ॥
समूर्तमूर्त ४ ॥ २ ॥ इदं न
सिंह ४ ॥ इदं न दमके वीर्ये

॥ संगी ॥
॥ १ ॥

वीरवीरुत्तपिहि ४ ॥ ३ ॥ उल्लालयहि ४ स्वकवे ४ प्रसूचककाटिहि ४ ॥ ४ ॥
हापायमहाकव्यजगदर्थकवेपथे ४ ॥ ४ ॥ रुद्ररुद्रागये मूर्दिने ४ काधः
विग्रहपिहि ४ ॥ वृद्धकव्यकवेनाथे ४ सार्द्धप्रगविग्रहे ४ ॥ ५ ॥ प्रलम्बना
थसंबुद्धरुगवंतं कथागनम् ॥ कलांजलिपूठारुत्वा ४ ॥ दमार्हस्थिनायक ४ ॥
४ ॥ मद्रिनायममार्थयमूनकं पायमविहा ॥ मायाजालाहिसंवाधयथाः

॥ नाम ॥
॥ २ ॥

लारिरुवाम्पहं ॥ १ ॥ अहानपंकमग्नानां क्लेशाकूलचक्रसां ॥ हिनायसर्व
सत्त्वानामनुरुचरुलाप्रय ॥ ८ ॥ प्रकाशयतु संवृद्धिरुगवान् ॥ स्नातुगुच
॥ ११ ॥ महासमयकत्वहं ॥ १२ ॥ दीयाभयवित्तव ॥ १३ ॥ रुगवन् हानकायस्य महा
ह्रीषस्यगीष्मक ॥ १४ ॥ मंरुगीहानसत्वस्य हानमूर्ति ॥ स्वयंरुव ॥ १५ ॥ गंहीमा
र्थमूदावार्थममहार्थमसमाधिवां ॥ आदिमध्यांनकल्याणीनामसंगीतिम्

॥ संगी ॥
॥ २ ॥

रुमां ॥ ११ ॥ यागीनेराधिकाबुद्धेरुविष्मककतागता ॥ प्रसूत्यन्नाथसंवृद्धा
यारुषकपूनःपूनः ॥ १२ ॥ मायाकालमहानंदयाचास्मिंसंप्रगीष्मक ॥ महा
वज्रधवेहृष्टेनमयेमंडधविहि ॥ १३ ॥ अहंचेनांधवयिष्माम्यानिर्यार्षिहृष्ट
गय ॥ यथारुवाम्पहं नाथसर्वसंवृद्धगुप्तक ॥ १४ ॥ प्रकाशयिष्यसत्त्वानां
यथाभयवित्तव ॥ १५ ॥ अगवत्कृगनाभयमृगवाहानहानय ॥ १६ ॥ ॥ ॥

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

वमरध्वगुहं डावकपातिरुथागनं ॥ कनांजलिपूठरुत्वाप्रककाचस्थिराय
क४ ॥ अरध्वनागमथाधाउ४ ॥ ॥ अथगमकमृतिरुगवान्संवृक्षादिपदा
रुम४ ॥ निर्धनय्यायनांस्त्रीनांस्वजिफास्वमूखाकूरां ॥ १ ॥ स्मिन्संदर्भला
कानामपायदयगमधनम् ॥ उलाक्कासासकवर्षचतुर्मावाविगमसने ॥ २ ॥
डिलाकमापूरयंशाजाक्का मधुवयागिना ॥ प्ररुषावकगुहकवकपातिमहा

॥ संगी ॥

॥ ३ ॥

बले ॥ ३ ॥ साधुवकधव४ ग्रीमान्साधुवकपाधय ॥ यस्त्रंजगद्विनार्थयम
हाकवृषान्विक४ ॥ ४ ॥ महार्थनामसंगीकिंपविशामयनागनी ॥ मंरुग्री
हानकायस्मंउ४ अउंसमूयन४ ॥ ५ ॥ कत्साधुदगयाभ्यषमृहंरुगुहका
धिप ॥ १२ ॥ त्वमकाग्रमनाकत्साधुरुगवन्निकि ॥ ३ ॥ प्रदिवचनगाथावद् ॥
अथगमकमृतिरुगवान्सकलमंउकूलंमहन् ॥ मंउविद्याधवकूलंयवलाक्का

॥ नाम ॥

॥ ४ ॥

लज्जय ॥ १ ॥ लोकलोकोरुचकलं लोकालोककलं मेरु ॥ महामूडं कलं च
ग्रं महामूडं कलं मेरु ॥ २ ॥ षट्कलावलोकनमथादि ॥ ॥ ॐ मां षट्कला
जानं संपूजा मध्यादया ॥ अनूत्या दधर्मिणी गथां राषं रुस्मिगियाम्य ॥ १ ॥
मूमा ॐ ॐ उडु उडु उडु उडु मूं मूं ॥ स्थिती रुदि ॥ हान मूर्ति वरं वृद्धा वृद्धा नाग्रध
वर्तिनां ॥ २ ॥ ॥ गंवजनी कूट ॥ खड्ग द्रुहा हान मूर्त्य ॥ हान कायवागीश्वरज

॥ संगी ॥
॥ ४ ॥

वमूवपंचनायकनमः ॥ ३ ॥ मायाकालाहिसंवाधिकमगमथासिग्र ॥ ॥
कथं थारुगवान् वृद्ध ॥ संवृद्धा काच ॥ संरुव ॥ ॥ अकाच ॥ सर्ववर्ण ॥ अमहार्थ ॥
पवमाकच ॥ १ ॥ ॥ महाप्राण कनूत्या दावागु दाहाववर्जिक ॥ ॥ सर्वाहिलाप
त्वग्र ॥ सर्ववाक् सुप्रहास्वव ॥ २ ॥ ॥ महामरु महावाग ॥ सर्वसत्त्ववर्जिकव ॥
महामरु महादध ॥ सर्वल ॥ महानिपू ॥ ३ ॥ ॥ महामरु महामाहामूठधीन

॥ नाम ॥



हस्तदनः॥ महामहमहाकाशमहाकाशविपुर्महा॥ ४ ॥ महामहमहालारुहस्त
वर्लारुनिसूदनः॥ महाकाशमहासौर्यामहाभादामहाचक्रिः॥ ५ ॥ महा
व्यामहाकाशमहावर्धमहावपुः॥ महानामामहादायामहाविपुलमधु
लः॥ ६ ॥ महाप्रहासुद्धधनामहाक्षेत्रंक्रुग्मगुणीः॥ महायशीमहाकीर्ति
महाक्रान्तिर्महायुक्तिः॥ ७ ॥ महामायाधवाविद्यामहामार्थसाधकः॥ महामा

संगी

151

यावन्निबन्धनमहामाथं डजालिकः ४॥ ८ ॥ महादानपतिः शुभमहामीलधवा
 यशीः ॥ महाक्रान्तिधवाधीशमहावीर्यपद्मकमः ॥ ९ ॥ महाध्यानसमाधि
 स्थमहाप्रह्लादवीरधक् ॥ महावला महापायः प्रसिद्धिर्हानसागवः ॥ १०
 ॥ महामेडी महामया महाकावुलिकोगधीः ॥ महाप्रह्लादमहाधीमान्महापा
 यामहाकृतिः ॥ ११ ॥ महाअद्विवलापकमहावल्गममहाकवः ॥ महर्जि

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

कामरुग्मरुग्ममहावल्लपवाक्रमः ॥ १२ ॥ महारुवाडिसंरुल्लमहावज्रधवाय
नः ॥ महारुग्ममहावज्रमहारुग्मरुग्मकवः ॥ १३ ॥ महाविद्यारुग्मनाथ
महामंशरुग्मागुवः ॥ महायाननयावृद्धमहायाननयारुग्मः ॥ १४ ॥ वज्र
धुमधुग्ममथधुग्मः ॥ ॥ महावेद्यचक्रावृद्धमहामोनीमहामू
नीः ॥ महामंजनयावृद्धमहामंजनयात्मकः ॥ १ ॥ दशपावमिनाप्राज्ञादश

॥ संगी ॥

॥ ३ ॥

पावमिनाप्रयः ॥ दशपावमिनागुद्धिर्दशपावमिनाप्रयः ॥ २ ॥ दशरुमी
धवाताथदशरुमिप्रतिष्ठितः ॥ दशरुनविगुद्धात्मादशरुनविगुद्धधक
॥ ३ ॥ दशकावादशमर्थमामुनिंदादशवलाविरुः ॥ अश्वविश्वार्थकना
दशकाववधीमहान् ॥ ४ ॥ अनादिनिष्ठपंचात्मागुद्धात्मानथनात्मकः ॥ ह
नवादीनथवादीनथकावीअनन्यवाक् ॥ ५ ॥ अथवादयवादीचरुनकादी

॥ नाम ॥
॥ १ ॥

यवस्थिरः ॥ नेवात्स्यसिंहनिर्नादः कृदीर्धमृगहीकवः ॥ ७ ॥ सर्वदग्धः ॥ मा
घगनिरुथगनमनोजवः ॥ जिनाजिनाविर्विजयीचक्रवर्तीमहावत्सः ॥ ८ ॥
गधमूर्ध्वागधचार्यागधरः ॥ गधगधपतिर्वशी ॥ महानूरावाधेययानन्यन
थामहानयः ॥ ९ ॥ वागीरः ॥ वाक्पतिर्वाग्मीवाचस्पतिवनंरगीः ॥ स
वाक्स्यवादीचचः ॥ स्यापदः ॥ कः ॥ १० ॥ अर्वेवर्हिर्कोकनागमीस्वः ॥

॥ संगी ॥
॥ १ ॥

शुकनायकः ॥ नानानिर्याननिर्यामामहारूमेककावधः ॥ १० ॥ अर्हन्क्रीता
धुवाहिकूर्वाकनारः ॥ गजिनः ॥ कृत्यः ॥ क्रमप्राप्तारुयंप्राप्तः ॥ गीहिरूनाकनाविलः
॥ ११ ॥ विद्याचवधसम्पन्नः ॥ सुगमालोकवित्तवः ॥ निर्ममानिवहंकावः ॥ स
द्युधयनयस्थिरः ॥ १२ ॥ संसावपावकाटिस्थः ॥ कृत्कृत्यः ॥ स्थलस्थिरः ॥
केवल्यहाननिस्त्रः ॥ प्रह्लादगम्भाविदावधः ॥ १३ ॥ सुधर्माधर्मनारूरास्वः ॥

॥ नाम ॥

॥ ५ ॥

कालोककवः पवः ॥ धर्मध्वजा धर्मराजा ॥ अथामात्मपदशकः ॥ १४ ॥ सिद्धि
र्थः सिद्धसंकल्पः सर्वसंकल्पवर्जितः ॥ निर्विकल्पकः अक्षुर्धर्मध्वजः पवः
यः ॥ १५ ॥ पृथ्वान्पृथ्वीसंज्ञाहानं हानाकवमरुत् ॥ हानवान्सदसहानी
संज्ञावद्यसंज्ञकः ॥ १६ ॥ अश्वकाविश्वनाथागीध्वानं ध्वजध्वजं यमिः ॥ पं
चात्मवशाकवलः पवमायुक्तिकायधक् ॥ १७ ॥ पंचाकायात्मको ब्रह्मपं

॥ संगी ॥
॥ ८ ॥

हानात्मकाविदुः॥ पंचवृद्धात्ममूकः॥ पंचचक्रवसंगधक्॥ १८ ॥ जनकः॥
सर्ववृद्धानां बुद्धपूजः॥ पञ्चावतः॥ प्रहारावाहवायानिर्द्धर्मयानिर्द्धर्वां नृकृ॥
१९ ॥ घनेकसावावकात्मासुधाजागतागत्यभिः॥ गगनाहवः॥ स्वयंरुः॥ प्रह्ला
हानानत्तामहान्॥ २० ॥ वैवाचनामहादीप्तीहानकाकिर्विवाचनः॥ जग
त्प्रदीपाहानात्तामहानकाप्रह्लास्वः॥ २१ ॥ विद्यावाक्यायमंडलः॥ मंडनाज

॥ नाम ॥

॥ ६ ॥

महार्थकृत् ॥ वक्राक्षीषादुक्ताक्षीषाविश्वदर्शीवियत्यकि ॥ २२ ॥ सर्ववृद्धालसुवा
लम्भजगदानन्दलाचन ॥ विश्वरूपीविधानाचपूजामाभ्यामहाभवि ॥ २३ ॥
कुलत्रयधवामंथीमहासमयमंथकृत् ॥ नलत्रयधव ॥ यष्टक्रियानारुमद-
गक ॥ २४ ॥ अमायपाशमविजयीवज्रपाशमहाग्रह ॥ वक्राक्षीमहा
पाशमवक्रहेनवरीकन ॥ २५ ॥ ॥ विश्वधर्मधनुहानगम ॥ ४ पादानपंचविंश

संगी

॥ ६ ॥

हि ॥ ॥ काधमाष्टवभूषाहीम ॥ षड्रशाष्टदुर्गावली ॥ दंडाकबालकंकाला
हलाहलगगानन ॥ १ ॥ यमोरुकाविष्मनाष्टवक्रवर्गमरुयंकन ॥ विष्मस्व
काठुधक्रामायावक्रामहाद्व ॥ २ ॥ कूलिगमवक्रयानिर्वक्रम ॥ अनरी
पम ॥ अचलेकरुटापागजचर्मपटाईधकृत् ॥ ३ ॥ लाहाकाभामहाधावा
हीरीकाबारुयानक ॥ अटहागममहाहासावक्रहासामहावव ॥ ४ ॥ वक्रस

॥ नाम ॥

॥ १० ॥

श्रीमहासखावज्जनामहासूखः॥ वज्रचक्षुमहामादावज्जुंकावर्जं कृतिः॥
१ ॥ वज्रवाष्पयुधधवावज्जुखज्जानिकुंरुनः॥ विष्णवज्रधवावज्जीकवज्जीव
र्णजहः॥ ३ ॥ वज्रकालाकनालाकोवज्रकालागिवावहः॥ वज्रावर्णमहा
वर्णमहाकोवज्रलोचनः॥ ५ ॥ वज्रवामांकुलनूर्वज्जनामेकविग्रहः॥ व
ज्रकाटिनखावंशावज्रसावघनचुविः॥ ८ ॥ वज्रमालाधवः॥ श्रीमान्वज्रारु

॥ संगी ॥
॥ १० ॥

वज्ररूपिणः॥ हाराहारानिर्घावावज्जधावः॥ षड्वज्रः॥ ६ ॥ मंजुधावामहा
नादम्बुलाकेकववामहान्॥ ज्वाकागधुपयंकधावांधाववर्नावः॥ १० ॥
आदर्शनहानमथाः॥ पादनसोर्द्धः॥ ॥ ॥ नथनारुनमेवात्म्य
रुनकाटिवनकवः॥ गून्यनावादित्तपरागंहीवादावगर्जितः॥ १ ॥ धर्मगं
श्रीमहागंधाधर्मगंडीमहावज्रः॥ जूप्रकिष्ठिननिर्वाः॥ दगादिग्धर्मइंद्रिः॥

॥ नाम ॥
॥ ११ ॥

२ ॥ अक्षयवृषवानरस्थानाक्षयवृषामनामयः ॥ सर्ववृषावरुसुधीवरुषप्रतिविम्ब
धक् ॥ ३ ॥ अक्षयवृषामरुग्गव्यमेधुधुकमरुग्गवः ॥ समृद्धिनायमार्गस्थध
मधुधुर्महादयः ॥ ४ ॥ उल्लोकेककुमावांगस्थविनावद्रुप्रजापतिः ॥ द्वाः
त्रिंशत्लक्षधवः कांठुल्लोकेसूदवः ॥ ५ ॥ लोकहानगुधचार्थीलोका
चार्थीविसावदः ॥ नाथन्नामिल्लोकाष्टगवर्धननिवूरुवः ॥ ६ ॥ गगनारु

॥ संगी ॥
॥ ११ ॥

गसंहागः सर्वरुहानगगवः ॥ अविद्याधुकोगसंरुल्लवयंजवदानधः ॥
७ ॥ समिनारुगसंक्लेशसंसारार्धवपावगः ॥ हानाहिषकमूकटसंम्य
क्लं वृद्धरुषधः ॥ ८ ॥ त्रिंशत्खड्गखसमनल्लुगानंमस्मिन्मृत्तिगः ॥ सर्वा
ववः निर्मूलकागसमनांगनः ॥ ९ ॥ सर्वक्लेशमलागीनमृत्तानं
मिन्मृत्तिगः ॥ सर्वसत्त्वमहानागगुधारुगवः ॥ १० ॥ सर्वावधि

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

विनिर्मुक्तायामवत्सुनिसुस्थिरा ॥ महाचिंतामणिभवः सर्वजलारुमाविशः ॥
११ ॥ महाकल्पवृक्षीनामहारुद्रघटारुमः ॥ सर्वसत्त्वार्थकृत्कृत्हिमेवी
सत्त्ववत्सवः ॥ १२ ॥ गुरुगुरुः कालरुः समयरुः समयीविरुः ॥ सत्त्वं
दियद्वावल्हाविमूर्तिदयकाविदः ॥ १३ ॥ गुणीगुणरूपाधर्मरुः प्रसक्ता
मंगलादयः ॥ सर्वमंगलमांगल्यः कीर्तिलक्ष्मीर्यगः गुरुः ॥ १४ ॥ महासु

॥ संगी ॥

॥ १२ ॥

वामहाध्यासामहानंदामहावर्णिः ॥ सत्कावः सत्कृत्किर्तुनिः प्रमादः प्रीयग-
स्यनिः ॥ १५ ॥ सर्वरक्षभवदः रक्षारूपाध्यासः रक्षारुमः ॥ महामया
विप्रवधानिरुषरुयनाशनः ॥ १६ ॥ शिखीशिखधुजटिलाजटिमोक्षीकिची
टिमान् ॥ पंचाननः पंचशिखः पंचचीवकसखवः ॥ १७ ॥ महावक्रधवाभो
जीवकचावीवकीरुमः ॥ महानयानपानिरुः स्नातककल्पोरुमाग्रणीः ॥ १८

॥ नाम ॥

॥ १४ ॥

महारिषयवः ॥ १४ ॥ अल्पहर्षनिवृत्तः ॥ १५ ॥ अर्षयः ॥ १६ ॥ अर्षयः ॥ १७ ॥ अर्षयः ॥ १८ ॥ अर्षयः ॥ १९ ॥ अर्षयः ॥ २० ॥ अर्षयः ॥ २१ ॥ अर्षयः ॥ २२ ॥ अर्षयः ॥ २३ ॥ अर्षयः ॥ २४ ॥ अर्षयः ॥ २५ ॥ अर्षयः ॥ २६ ॥ अर्षयः ॥ २७ ॥ अर्षयः ॥ २८ ॥ अर्षयः ॥ २९ ॥ अर्षयः ॥ ३० ॥ अर्षयः ॥ ३१ ॥ अर्षयः ॥ ३२ ॥ अर्षयः ॥ ३३ ॥ अर्षयः ॥ ३४ ॥ अर्षयः ॥ ३५ ॥ अर्षयः ॥ ३६ ॥ अर्षयः ॥ ३७ ॥ अर्षयः ॥ ३८ ॥ अर्षयः ॥ ३९ ॥ अर्षयः ॥ ४० ॥ अर्षयः ॥ ४१ ॥ अर्षयः ॥ ४२ ॥ अर्षयः ॥ ४३ ॥ अर्षयः ॥ ४४ ॥ अर्षयः ॥ ४५ ॥ अर्षयः ॥ ४६ ॥ अर्षयः ॥ ४७ ॥ अर्षयः ॥ ४८ ॥ अर्षयः ॥ ४९ ॥ अर्षयः ॥ ५० ॥ अर्षयः ॥ ५१ ॥ अर्षयः ॥ ५२ ॥ अर्षयः ॥ ५३ ॥ अर्षयः ॥ ५४ ॥ अर्षयः ॥ ५५ ॥ अर्षयः ॥ ५६ ॥ अर्षयः ॥ ५७ ॥ अर्षयः ॥ ५८ ॥ अर्षयः ॥ ५९ ॥ अर्षयः ॥ ६० ॥ अर्षयः ॥ ६१ ॥ अर्षयः ॥ ६२ ॥ अर्षयः ॥ ६३ ॥ अर्षयः ॥ ६४ ॥ अर्षयः ॥ ६५ ॥ अर्षयः ॥ ६६ ॥ अर्षयः ॥ ६७ ॥ अर्षयः ॥ ६८ ॥ अर्षयः ॥ ६९ ॥ अर्षयः ॥ ७० ॥ अर्षयः ॥ ७१ ॥ अर्षयः ॥ ७२ ॥ अर्षयः ॥ ७३ ॥ अर्षयः ॥ ७४ ॥ अर्षयः ॥ ७५ ॥ अर्षयः ॥ ७६ ॥ अर्षयः ॥ ७७ ॥ अर्षयः ॥ ७८ ॥ अर्षयः ॥ ७९ ॥ अर्षयः ॥ ८० ॥ अर्षयः ॥ ८१ ॥ अर्षयः ॥ ८२ ॥ अर्षयः ॥ ८३ ॥ अर्षयः ॥ ८४ ॥ अर्षयः ॥ ८५ ॥ अर्षयः ॥ ८६ ॥ अर्षयः ॥ ८७ ॥ अर्षयः ॥ ८८ ॥ अर्षयः ॥ ८९ ॥ अर्षयः ॥ ९० ॥ अर्षयः ॥ ९१ ॥ अर्षयः ॥ ९२ ॥ अर्षयः ॥ ९३ ॥ अर्षयः ॥ ९४ ॥ अर्षयः ॥ ९५ ॥ अर्षयः ॥ ९६ ॥ अर्षयः ॥ ९७ ॥ अर्षयः ॥ ९८ ॥ अर्षयः ॥ ९९ ॥ अर्षयः ॥ १०० ॥ अर्षयः ॥

॥ संगी ॥

॥ १४ ॥

पञ्चवः ॥ १४ ॥ सर्वलाकेष्ववयविः ॥ १५ ॥ सर्ववज्रधवाधिपः ॥ १६ ॥ सर्ववृद्धमहाचिरः ॥ १७ ॥ सर्ववृद्धमनागनिः ॥ १८ ॥ सर्ववृद्धमहाकायः ॥ १९ ॥ सर्ववृद्धसबस्वनीः ॥ २० ॥ वज्रसूर्यमहालाकीवज्रन्दुविमलपुरुः ॥ २१ ॥ विवाग्निमहाबाग्निविश्ववर्धकालपुरुः ॥ २२ ॥ सम्बुद्धवज्रपर्यंकावृद्धसंगीनिधर्मधक् ॥ २३ ॥ वृद्धपद्मावृद्धशीमान्सर्वहृद्नकोशधक् ॥ २४ ॥ विश्वमायाधवावाजावृद्धविश्वधवामहान् ॥ २५ ॥ वज्रनीकाम

॥ नाम ॥

॥ १५ ॥

हावविशुद्धपत्रमाकृष्ट ॥ ३५ ॥ इष्टवर्द्धमहापानवर्द्धधर्ममहायुद्ध ॥ जि
नक्तिवर्द्धगंभीर्यवर्द्धवर्द्धिर्थाथविर्द्ध ॥ ३६ ॥ सर्वपात्रमिनापूविस्वर्द्धमीर्वि
रूपध ॥ विशुद्धधर्मनेत्रात्मसम्पक्कानन्दवर्द्ध ॥ ३७ ॥ मायांजालमहा
योग ॥ सर्वकंजधिप ॥ पत्र ॥ अष्टावर्द्धपत्र्यकानि ॥ गवहानकायधक ॥ ३८ ॥
समकरुडसमकि ॥ किमिगर्हाजगद्धकि ॥ सर्ववर्द्धमहागर्हाविग्धनिर्मासचक्रध

॥ संगी ॥

॥ १५ ॥

क ॥ ३९ ॥ सर्वरावस्वरावाग्ध ॥ सर्वरावस्वरावधक ॥ अनूत्पादधर्मविग्धार्थ ॥ स
र्वधर्मस्वरावधक ॥ ४० ॥ एककथमहापाद ॥ सर्वधर्माववाधधक ॥ सर्वधर्माहिस
मयारुतांममूनिवेगधी ॥ ४१ ॥ किमिग ॥ सुप्रसन्नात्मासम्पक्कं वृद्धवाधिधक ॥
प्रत्यक् ॥ सर्ववृद्धानां हानार्चि ॥ सुप्ररास्वव ॥ ४२ ॥ प्रत्यक्कथानगाथा ॥ घोच
लाविग्ध ॥ ॥ ॥ सार्थसाधकपत्र ॥ सर्वाण्यविग्धधक ॥ सर्वसत्कारः

॥ नाम ॥

॥ १४ ॥

माना ॥ सर्वसत्त्वप्रमाचक ॥ १ ॥ कृष्णसंग्रामग्रैकअहानविप्रदर्पहा ॥ धी ॥ २ ॥
गभवधव ॥ श्रीमान् वीरवीरुत्सवपधक ॥ २ ॥ बाहुर्युगताकृप ॥ पदनिष्कपनरून ॥
॥ श्रीमच्छक्रकुङ्कुमागगनागनरून ॥ ३ ॥ उकपादकलाकाकमहीमधुनः
लस्थिक ॥ उक्ताधुगिखवाजाकपादांगुष्ठनखस्थिक ॥ ४ ॥ उकार्थाः ॥ दयधर्मा
थ ॥ पनमार्थविनधव ॥ नानाविरुष्टिपार्थगिरुविहानसरुकि ॥ ५ ॥ मरु

॥ संगी ॥

॥ १४ ॥

सरावार्थवकि ॥ ग्रन्थकावकिवयधी ॥ रुववागभयतीकृष्णरुवजयमहावकी ॥
॥ ६ ॥ गुह्यगुहाउधवल ॥ सबचडागुसुप्ररु ॥ वालार्कमधुलकायामहानागन
खप्ररु ॥ ७ ॥ उनीलागुसचीवामहानीलकचायधक ॥ महामणिमयूवधी
वृद्धनिर्माधरुघध ॥ ८ ॥ लाकधुगताकम्पीत्राद्रिपादमहाक्रम ॥ महास्र
किधवस्रुत्वधुस्रुतिसमाधिवाह ॥ ९ ॥ बाध्वागकृष्णामादस्रुथागरुगुलाद

॥ नाम ॥

॥ ११ ॥

धि॥ अथाङ्गमार्गनयवित्सम्पन्नं बुद्धमार्गविरु॥ १० ॥ सर्वसत्त्वमहासंलग्ननिःसं-
लग्नगगनायम॥ सर्वसत्त्वमनाज्ञानासर्वसत्त्वमनाज्ञव॥ ११ ॥ सर्वसत्त्वेंद्रियार्थह
॥ सर्वसत्त्वमनाज्ञव॥ पञ्चस्कंधार्थरुत्तरु॥ पञ्चस्कंधविशुद्धधक॥ १२ ॥ सर्वनि-
र्यायिकाटिह॥ सर्वनिर्यायिकाविद॥ सर्वनिर्यायिमार्गस्थ॥ सर्वनिर्यायिदशक॥
॥ १३ ॥ षादशङ्गरुवात्माना षादशकानवशुद्धधक्॥ चतुःस्यनयाकानवशुद्धरु

॥ संगी ॥
॥ ११ ॥

नावधीधधक॥ १४ ॥ षादशकानवस्यार्थ॥ षादशकानवकत्वविरु॥ विंशत्याका
वसंवाधिविवेकसर्ववित्पत्र॥ १५ ॥ अमयबुद्धनिर्मासकायकोटिविरावक॥
सर्वलक्ष्मरिसमय॥ सर्वचिरुद्धमर्थविरु॥ १६ ॥ नानायाननयापायङ्गद
र्थविरावक॥ यानत्रिकयनिर्याहकयानेरुत्तरस्थिरु॥ १७ ॥ क्लृप्तधुवि
शुद्धात्माकर्मधुद्धयंकव॥ अथादधिसमूहोरक्षयागकानावनिधिरु॥ १८

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

कृष्णपक्षसंक्रान्तिप्रहीनस्वासनः ॥ प्रहाणयमहाकव्यम् अमीयज्जगद
र्थकम् ॥ १९ ॥ सर्वसंज्ञाप्रहीनार्थविज्ञानार्थनिबोधकः ॥ सर्वसत्त्वमनाविष
यः सर्वसत्त्वमनागतिः ॥ २० ॥ सर्वसत्त्वमनारुस्थसुचिरुसमनांगकः ॥ सर्व
सत्त्वमनाक्लीदी सर्वसत्त्वमनावगतिः ॥ २१ ॥ सिद्धाकाविज्जमापगकः सर्वज्ञानि
विवर्जितः ॥ निःसंदिग्धमकिम्पुर्थः सर्वार्थस्त्रिगुणसकः ॥ २२ ॥ पंचसंक्ष

॥ संगी ॥

॥ १८ ॥

र्थजिकालः सर्वकथविरावकः ॥ एककथारिसंबुद्धसर्वबुद्धस्वरुवधकः ॥ २३ ॥
अनंगकायकायागुः कायकाटिविरावकः ॥ अगवचूपसंदर्शितलेकेकुर्म
रामसिः ॥ २४ ॥ समकाहानगमथाप्रतुर्विभक्तिः ॥ सर्वसंबुद्धवाधवा
बुद्धवाधिवनूरुवः ॥ अनकवामंज्यानिर्मलामंजुकुलजयः ॥ १ ॥ सर्वमंज
र्थजनकामराविंदवनकवः ॥ पंचाकवामराग्न्याविन्दुग्न्यवतकवः ॥

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

१ ॥ सर्वाकारनिवाकावषाडभाद्रार्द्रविंशक ॥ अकलः कलनामीनश्चतुर्थध्व
नकोटिध्वक ॥ ३ ॥ सर्वध्वानकलारिहः समाधिकेलगजविह ॥ समाधिकायका
याग्यः सर्वसंहागकायवाह ॥ ४ ॥ निर्माधिकायकायाग्यवृद्धनिर्माधवंशधक्
॥ दशदिग्विधनिर्माधयथावज्जगदर्थक ॥ ५ ॥ दवानिदवादवन्दुः स्रवः
शदानवाधिपः ॥ अमत्रदुः स्रवगुवः प्रमथः प्रमथः धवः ॥ ६ ॥ उरीरु

॥ संगी ॥

॥ १८ ॥

रुवकाकावचकः भस्माजगजुवः ॥ प्रख्यातदशदिग्भक्तधर्मदानपतिर्महान्
॥ १ ॥ मेशीसन्नाहसन्नेद्रः कवृधभवर्मवर्मिहः ॥ प्रहारेवज्जधनूर्वाधः क्लेशहान
वहंजहः ॥ ८ ॥ मावाविर्माविजिघीवश्चतुर्माविरुयानकक ॥ सर्वमावचमृज्ज
सम्बुद्धालोकनायकः ॥ ९ ॥ वंघप्रकाहिवायश्चमाननीयश्चनिह्यसः ॥ अर्च
नीयकमामान्योनमस्यः पवमागुवः ॥ १० ॥ उलाक्केकक्रमगतिर्विमिपयक

॥ नाम ॥
॥ २० ॥

विक्रमः ॥ देविद्यः ॥ अक्षयः ॥ पूरः ॥ घटः ॥ रुद्रः ॥ षडनुस्मृतिः ॥ ११ ॥ वाधिसत्त्वाम-
हसत्त्वामाकाशमामहर्द्रिकः ॥ प्रहृष्टापावमिहानिष्ठः ॥ प्रहृष्टाकत्वत्वमागः ॥
१२ ॥ आत्मवित्पत्रवित्पत्रः ॥ सर्वायाश्चयपुंगवः ॥ सर्वापमामनिकाकाह्याः
हानाधियः ॥ पत्रः ॥ १३ ॥ धर्मदानपत्रिः ॥ अष्टमूर्द्धाथदशकः ॥ पर्यपास्य
कमाङ्गनात्रिर्याधययायिनां ॥ १४ ॥ पत्रमार्थविशुद्धीष्टेलाकसूरुग

॥ संगी ॥
॥ २० ॥

महान् ॥ सर्वसम्पत्कवः ॥ श्रीमान्मंशुः ॥ श्रीमन्मन्त्रः ॥ १५ ॥ ~~हृद्यान्म~~
~~नगमथः ॥ पंचदशः ॥~~ ॥ नमस्तुवदवज्ञायरुद्रकाटिनमाम्भुः ॥ न
मस्तुग्न्यनागर्हवृद्धवाधिनमाम्भुः ॥ १ ॥ वृद्धनाशनमस्तुवृद्धकायनमा
नमः ॥ वृद्धप्रीतिनमस्तुवृद्धमादनमानमः ॥ २ ॥ वृद्धस्मिन्नमस्तुवृद्ध
वृद्धहसनमानमः ॥ वृद्धवाचनमस्तुवृद्धरावनमानमः ॥ ३ ॥ अरावा

॥ नाम ॥

॥ २९ ॥

हवनममुर्यं नमस्कृद्वृद्धं संरुव ॥ गगनाहवनममुर्यं नमस्कृद्गहनसंरुव ॥ ४

॥ मायाजालनममुर्यं नमस्कृद्वृद्धनाटक ॥ नमस्कृत्सर्वसत्त्वज्ञानकायन

माम्बु ॥ १ ॥ पंचकथागहनमूर्तिगमथा ॥ पंच ॥ ॥ ओं सर्वधर्माहा

वस्त्रावविशुद्धवज्रमृत्पुष्पविशुद्धा ॥ सर्वधर्मा ॥ यद्गहनसर्वकथा

गहनज्ञानकायमंरुग्नीपविशुद्धिनामपादायकिआमृ ॥ सर्वकथागहनद्वय ॥

॥ संगी ॥

॥ २९ ॥

३२ ओं हं ज्ञो ॥ रुगवनज्ञानमूर्तिवागीश्वरमहावाचसर्वधर्मागगधामलसूपवि
शुद्धधर्मधातुज्ञानगर्भमृ ॥ ॥ मृत्पुष्पवज्रध्वंशीमानहृदयहृदयकर्मकर्मलि

॥ ॥ प्रथमनाथसंबुद्धं रुगवंतं कथागहनं ॥ १ ॥ मंत्र्ये प्रवृद्धविधेर्नाथेर्गुह्ये

वज्रपाशिरि ॥ ससाध्वं कथाज्ञाने ॥ प्रावाचाचे विदं वच ॥ २ ॥ मन्मदा

महनाथसाधुसाधुसूराधिकं ॥ कलास्माकं महानर्थ ॥ संम्यक्वाधिप्रापक ॥

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

॥ ३ ॥ जगत्प्रसन्ननाथस्य विमुक्तिरुल्लेखः ॥ ॥ अथ मार्गविशुद्धा
यं मायाजालनयादिकः ॥ ४ ॥ गंभीरादावर्धपुत्रमहार्थजगदर्थकः ॥
॥ वृद्धानाविषयाक्षयसर्वसम्बुद्धिनिर्गुणः ॥ ५ ॥ ॥ आर्यमायाजालो
त्पादः साहचर्यिकात्महायागकृत्पादिसमाधिजालपदलाहगवकीमं
रुग्नीहानकायस्परुगवान्भक्तमूर्तिरुत्पादिरुगवकीमंरुग्नीः

॥ संगी ॥

॥ २२ ॥

ज्ञानसत्त्वस्यादयपवमार्थानामसंगीतिपविस्मात्ताः ॥ :

॥ २३ ॥

॥ नाम ॥

॥ २३ ॥

ASHA ARCHIVES

1.240

ASHA ARCHIVES

॥ संगी ॥
॥ २३ ॥